First day of the Fourth Session of the Fourth Lok Sabha

Vol. XII] [No. 1

LOK SABHA

Monday, February 12, 1968/Magha 23, 1889 (Saka).

The Lok Sabha met at Forty Minutes past Twelve of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

MEMBER SWORN

(*Shri S. M. Krishna*)

MR. SPEAKER: Secretary may call out the name of the Member who has come to take oath

SECRETARY: Shri S. M. Krishna from Mandya constituency.

SHRI K. LAKKAPPA: (Tumkur): Now I demand the resignation of Shri Nijalingapa.

SHRI NATH PAI (Rajapur): It is a unanimous demand. Nobody said 'No' even.

Shri S. M. Krishna (Mandya-Mysore).

12.41 hrs.

PRESIDENT'S ADDRESS

SECRETARY: Sir, I lay on the Table a copy of the. President's Address to both Houses of Parliament assembled together on the 12th February, 1968.

Presidents' Address

संसद् सदस्यगण,

नये वर्ष के इस प्रथम अधिवेशन में आप लोगों का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है ।

पिछला साल कठिनाइयों और चुनौतियों से भरा था। लगातार दूसरे साल भी देश ने अभूतपूर्व सूखे और अभाव का सामना किया। पहले के अकालों के विध्वंस को ध्यान में रखते हुए हमें थोड़ा सा गौरव है कि समूचे राष्ट्र ने एक जुट होकर करोड़ों देशवासियों के जीवन पर आये भयंकर खतरे का सामना कर सफलता प्राप्त की। इस सफलता के कई विशेष कारण हैं : केन्द्र तथा राज्य सरकारों के समयोजित और महत्वपूर्ण कार्य, ऐच्छिक संस्थाओं की निष्ठापूर्ण सेवा, मित्र राष्ट्रों की सहायता, विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वालों की कुशलता और उनके कठिन परिश्रम तथा सूखाग्रस्त क्षेत्र के लोगों की अटूट हिम्मत और साहस का बल।

एक साल पहले भविष्य अन्धकारपूर्ण दीखता था लेकिन निराशा के बादल अब हटने लगे हैं। इस साल अनाज की पैदावार पिछले सभी सालों से ज्यादा होने की उम्मीद है। आमतौर पर यह अन्दाज लगाया जा रहा है कि इस साल लगभग साढ़े नौ करोड़ टन अनाज पैदा होगा जो 1966–67 की तुलना में दो करोड़ टन ज्यादा और 1964–65 से, जब कि बहुत ज्यादा अनाज पैदा हुआ था 60 लाख टन ज्यादा होगा। पैदावार की इस वृद्धि से खाद्य स्थिति में सुधार की आशा है। फिर भी इस साल जो उपज होगी उसका बहुत अधिक हिस्सा तो सरकारी और निजी खाली गोदामों को भरने में चला जाएगा। खाद्य स्थिति में स्थिरता लाने के लिए यह बहुत जरूरी है कि काफी बड़ा बफर स्टाक तैयार किया जाए। इस के लिए यह भी जरूरी है कि